# ॥ जय देव जय देव जय मंगलमूर्ति आरती ॥

Chalisamantras.com

सुखकर्ता दुखहर्ता वार्ता विघ्नाची,
नुरवी पूर्वी प्रेम कृपा जयाची,
सर्वांगी सुंदर उटी शेंदुराची,
कंठी झलके माल मुक्ताफलाची ।
जय देव जय देव जय मंगलमूर्ति,
श्री मंगलमूर्ति,
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती,
जय देव जय देव ।

जय देव जय देव जय मंगलमूर्ति,
श्री मंगलमूर्ति,
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती,
जय देव जय देव ।

रत्नखचित फरा तूज गौरीकुमरा,
चंदनाची उटी कुंकुमकेशरा,
हिरे जडित मुकुट शोभतो बरा,
रुणझुणती नुपुरे चरणी घागरिया ।
जय देव जय देव जय मंगलमूर्ति,
श्री मंगलमूर्ति,
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती,
जय देव जय देव ।

लंबोदर पितांबर फनी वरवंदना,
सरल सोंड वक्रतुंड त्रिनयना,
दास रामाचा वाट पाहे सदना,
संकटी पावावे निर्वाणी रक्षावे सुरवंदना ।

Chalisamantras.com

जय देव जय देव जय मंगलमूर्ति,
श्री मंगलमूर्ति,
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती,
जय देव जय देव ।

शेंदुर लाल चढायो अच्छा गजमुखको,
दौंदिल लाल बिराजे सुत गौरिहरको,
हाथ लिए गुडलद्दु सांई सुरवरको,
महिमा कहे न जाय लागत हूं पदको ।
जय जय जी गणराज विद्या सुखदाता,
धन्य तुम्हारा दर्शन मेरा मन रमता,
जय देव जय देव ।

जय जय जी गणराज विद्या सुखदाता,
धन्य तुम्हारा दर्शन मेरा मन रमता,
जय देव जय देव ।

अष्टौ सिद्धि दासी संकट को बैरि,
विघ्नविनाशन मंगल मूरत अधिकारी,
कोटीसूरजप्रकाश ऐसी छबि तेरी,
गंडस्थलमदमस्तक झूले शशि गहरी ।
जय जय जी गणराज विद्या सुखदाता,
धन्य तुम्हारा दर्शन मेरा मन रमता,
जय देव जय देव ।

भावभगत से कोई शरणागत आवे,
संतत संपत सबही भरपूर पावे,
ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे,
गोसावीनंदन निशिदिन गुण गावे ।

Chalisamantras.com

जय जय जी गणराज विद्या सुखदाता,
धन्य तुम्हारा दर्शन मेरा मन रमता,
जय देव जय देव ।

सुखकर्ता दुखहर्ता वार्ता विघ्नाची,
नुरवी पूर्वी प्रेम कृपा जयाची,
सर्वांगी सुंदर उटी शेंदुराची,
कंठी झलके माल मुक्ताफलाची ।
जय देव जय देव जय मंगलमूर्ति,
श्री मंगलमूर्ति,
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती,
जय देव जय देव ।

जय देव जय देव जय मंगलमूर्ति,
श्री मंगलमूर्ति,
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती,
जय देव जय देव ।

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com